



एशियाई पैरा खेल : नितेश कुमार ने प्रमोद भगत को हराकर जीता स्वर्ण

पुरुष एकल एसएल3 के फाइनल में नितेश ने 21-18, 21-16 से दर्ज की जीत, प्रमोद को रजत पदक

आइची-नागोया

भारत के नितेश कुमार ने एशियाई पैरा खेल-2026 में पुरुष एकल एसएल3 बैडमिंटन स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीत लिया। शुक्रवार को खेले गए फाइनल में उन्होंने हमवतन और मौजूदा विश्व चैंपियन प्रमोद भगत को सीधे गेम में 21-18, 21-16 से हराया। नितेश के स्वर्ण जीतने के साथ प्रमोद को रजत पदक से संतोष करना पड़ा। दोनों खिलाड़ी पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता हैं, जिससे यह मुकाबला भारतीय पैरा बैडमिंटन के लिए खास रहा।

मौजूदा पैरालंपिक चैंपियन और विश्व रैंकिंग में शीर्ष स्थान

न्यूज़बीफ

मोना अग्रवाल ने विश्व रिकार्ड के साथ जीता दूसरा स्वर्ण पदक, अवनी चौथे स्थान पर

आइची-नागोया। भारत की पैरा निशानेबाज मोना अग्रवाल ने पैरा एशियाई खेल-2026 में शुक्रवार को दूसरा स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया। एक अन्य भारतीय अर्वािन लेखरा चौथे स्थान पर रही। उन्होंने महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन एसएच-1 स्पर्धा के फाइनल में 357.5 अंक हासिल कर विश्व रिकार्ड बनाया। चीन की झांग कुइपिंग 353.7 अंक के साथ दूसरे स्थान पर रही और रजत पदक जीता। दक्षिण कोरिया की किम मियाना ने 344.4 अंक के साथ कांस्य पदक हासिल किया। मोना ने स्वर्ण पदक जीतने के लिए चीन की झांग पर 3.8 अंक की बढ़त बनाई। इससे पहले वह खेलों के शुरुआती दिन महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्टैंडिंग एसएच-1 स्पर्धा में भी स्वर्ण पदक जीत चुकी हैं। उस स्पर्धा में उन्होंने 250 अंक हासिल कर एशियाई पैरा खेलों का रिकार्ड बनाया था और 2023 में हांगझोऊ में अवनी लेखरा के 249.6 अंक के रिकार्ड को पीछे छोड़ा था। इस स्पर्धा के फाइनल में भाग लेने वाली दूसरी भारतीय निशानेबाज अवनी लेखरा चौथे स्थान पर रही। वह प्रोन पोजिशन के बाद शीर्ष दो खिलाड़ियों में शामिल थीं, लेकिन स्टैंडिंग सीरीज में पिछड़ने के कारण पदक से दूर गई।

हांगकांग सिक्सेस : सिम्पसन की कप्तानी में खिताब की प्रबल दावेदार के तौर पर उतरेगी इंग्लैंड

हांगकांग। इंग्लैंड ने विकेटकीपर-बल्लेबाज जान सिम्पसन को हांगकांग सिक्सेस 2026 क्रिकेट टूर्नामेंट के लिए अपनी टीम का कप्तान बनाया है। सिम्पसन अभी ससेक्स क्रिकेट क्लब के कप्तान हैं। टूर्नामेंट के लिए इंग्लैंड टीम की घोषणा भी

कर दी गयी है। यह टूर्नामेंट 30 अक्टूबर से 1 नवंबर 2026 तक हांगकांग के टिन व्हांग रोड क्रिक्रेशन मैदान में खेला जाएगा। इस टूर्नामेंट के लिए इंग्लैंड की टीम काफी संतुलित होने के कारण खिताब की प्रबल दावेदार मानी जा रही है। हांगकांग सिक्सेस प्रारूप में मैदान पर छह खिलाड़ी होते हैं और हर पारी में छह ओवर ही फेंके जाते हैं। यह टूर्नामेंट आक्रामक क्रिकेट के साथ ही तेजी से रन बनाने और खिलाड़ियों के बल्लेबाजी के साथ ही गेंदबाजी और फील्डिंग में तेजी पर आधारित है। सिम्पसन इसमें सात सदस्यीय टीम की कप्तानी करेंगे, जिसमें एडवर्ड बर्नार्ड, फिन हडसन-प्रेटिस, जेक कार्सन, मार्टिन एंडरसन, डैनियल मोरली और नाथन गिलक्रिस्ट भी शामिल हैं। टीम को पास सिम्पसन जैसा अनुभवी कप्तान है। इसके अलाव टीम के पास गेंद और बल्ले से बेहतर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी भी हैं। जिससे इस तेजी से रन बनाने वाले प्रारूप में इंग्लैंड एक बड़े दावेदार के तौर पर उतरेगी। इसमें इंग्लैंड को युए ए में आस्ट्रेलिया और हांगकांग (चीन) के साथ रखा गया है। टीम 2025 में सेमीफाइनल तक पहुंचने के अपने प्रदर्शन से इस बार और बेहतर करने के प्रयास करेगी। गौरतलब है कि सिम्पसन एक दशक से भी अधिक समय से इंग्लिश काउंटी क्रिकेट में शामिल रहे रहे हैं।

श्रीलंका ने रचा इतिहास, 430 रन का लक्ष्य हासिल कर इंग्लैंड को हराया



रावलपिंडी। श्रीलंका ने इंग्लैंड के खिलाफ वनडे ट्राई सीरीज के तीसरे मुकाबले में इतिहास रचते हुए 430 रन का विशाल लक्ष्य हासिल कर लिया। इस जीत के साथ श्रीलंका ने वनडे क्रिकेट में अपना सबसे बड़ा सफल रन चेज दर्ज किया। वही, यह वनडे इतिहास का दूसरा सबसे बड़ा सफल रन चेज है। इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए कप्तान हैरी ब्रूक के दोहरे शतक की बदौलत 50 ओवर में चार विकेट पर 429 रन बनाए थे। जवाब में श्रीलंका ने 49.5 ओवर में आठ विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। श्रीलंका की ऐतिहासिक जीत में पवन तनकावे ने 130 रन की शानदार पारी खेली। दसुन शनाका और अविष्का फर्नांडो ने 97-97 रन बनाकर टीम को लक्ष्य के करीब पहुंचाया। अंतिम ओवरों में जनिथ लियांगे ने नाबाद 61 रन की पारी खेलकर जीत पर मुहर लगाई। मैच का अंतिम ओवर बेहद रोमांचक रहा। श्रीलंका की आखिरी दो गेंदों पर जीत के लिए छह रन की जरूरत थी और उसके आठ विकेट गिर चुके थे। इंग्लैंड के गेंदबाज जोश टंग ने ओवर की पहली चार गेंदों पर सिर्फ दो रन दिए और दो विकेट लेकर मुकाबले को इंग्लैंड के पक्ष में मोड़ने की कोशिश की। लेकिन लियांगे ने पांचवीं गेंद पर छक्का जड़कर श्रीलंका को यादगार जीत दिला दी। इस तरह श्रीलंका ने एक गेंद शेष रहते ही लक्ष्य हासिल कर लिया। इंग्लैंड की ओर से जोश टंग ने तीन और सैम करन ने दो विकेट चटकाए। जबकि जेमी ओवर्टन और विलियम डवसन को एक-एक सफलता मिली।

एशियन पैरा खेल : संदीप और हेनी ने विश्व रिकार्ड के साथ जीते स्वर्ण, भारत को पैरा एथलेटिक्स में दोहरी सफलता

आइची-नागोया

पैरा एशियाई खेल-2026 में भारतीय पैरा एथलीटों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विश्व रिकार्ड के साथ दो स्वर्ण पदक अपने नाम किए।संदीप ने पुरुषों की 400 मीटर दौड़ में विश्व रिकार्ड बनाया, जबकि हेनी ने भाला फेंक में नया विश्व रिकार्ड कायम कर स्वर्ण पदक जीता। इसके अलावा अजय कुमार ने 400 मीटर दौड़ में कांस्य पदक हासिल किया। पैरा टेबल टेनिस में जेहान दोराब मदान और शुभम वाधवा ने भी कांस्य पदक जीतकर भारत की पदक तालिका में योगदान दिया। पुरुषों की 400 मीटर टी44 स्पर्धा में संदीप ने 52.28 सेकंड का समय निकालकर स्वर्ण पदक जीता और विश्व रिकार्ड बनाया। सऊदी अरब के नूर अलसाना ने 53.13 सेकंड के समय के साथ रजत पदक हासिल किया। भारत के अजय कुमार ने 53.61 सेकंड में दौड़ पूरी कर कांस्य पदक जीता। इस तरह भारत ने इस स्पर्धा में दो पदक अपने नाम किए। अजय ने इस प्रदर्शन के साथ खेलों का रिकार्ड भी बनाया।

पुरुषों की भाला फेंक एफ37 स्पर्धा में भारत के हेनी ने 60.49 मीटर भाला फेंककर स्वर्ण पदक जीता और विश्व रिकार्ड कायम किया। उन्होंने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन अंतिम प्रयास में किया। हेनी ने 1116 रेटिंग अंक हासिल किए। ईरान के होमॉज सेइदिकाजपुंजी ने 50.68 मीटर के प्रदर्शन के साथ रजत पदक जीता, जबकि चीन के चेंगजी यू ने 53.66 मीटर भाला फेंककर कांस्य पदक हासिल किया और एशियाई रिकार्ड बनाया।



नवीनने जीता स्वर्ण, सुमति और निमिषा को रजत

आइची-नागोया। पैरा एशियाई खेल-2026 में भारतीय खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन जारी है। पैरा बैडमिंटन में नवीन शिवकुमार ने पुरुष एकल एसएल-4 स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीता, जबकि सुमति सिवन नित्या श्री को महिला एकल में रजत पदक मिला। एथलेटिक्स में प्रमोद ने पुरुषों की 1500 मीटर टी46 स्पर्धा और निमिषा चक्कुगलपरम्बिल ने महिलाओं की लंबी कूद में रजत पदक अपने नाम किया। इसके साथ ही भारत ने एशियन पैरा खेल में 100 पदक पूरे हो गए हैं। समाचार लिखे जाने तक पदक तालिका में 100 पदक (25 स्वर्ण, 32 रजत,43 कांस्य) के साथ भारत चौथे स्थान पर पहुंच गया है। नवीन शिवकुमार ने पुरुष एकल एसएल-4 के फाइनल में इंडोनेशिया के फ्रेडी सेतियवान को सीधे गेमों में 21-9, 21-17 से हराया। 36 मिनट तक चले मुकाबले में नवीन ने पहले गेम में दबदाव बनाया और दूसरे गेम में प्रतिद्वंद्वी की चुनौती का सामना करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। महिला एकल बैडमिंटन के फाइनल में भारत की सुमति सिवन नित्या श्री को चीन की ली फेंगमेई से 12-21, 13-21 से हार का सामना करना पड़ा। 26 मिनट तक चले मुकाबले में ली फेंगमेई ने स्वर्ण पदक जीता, जबकि नित्या श्री को रजत पदक से संतोष करना पड़ा। एथलेटिक्स की पुरुषों की 1500 मीटर टी46 स्पर्धा में भारत के प्रमोद ने 4 मिनट 9.65 सेकंड का समय निकालकर रजत पदक जीता। श्रीलंका के पी. बहुमुरारगे ने 4 मिनट 3.25 सेकंड के समय के साथ स्वर्ण पदक हासिल किया और खेलों का रिकार्ड बनाया। फिलीपींस के किंग जेम्स रेयेस ने 4 मिनट 13.81 सेकंड का समय निकालकर कांस्य पदक जीता। यह उनका व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा। महिलाओं की लंबी कूद टी46/टी47 स्पर्धा में भारत की निमिषा चक्कुगलपरम्बिल ने 5.37 मीटर की छलांग लगाकर रजत पदक जीता। उन्होंने तीसरे प्रयास में अपना पदक जीतने वाला सर्वश्रेष्ठ प्रयास किया। श्रीलंका की धनंजना विक्रमसिंघे ने 5.52 मीटर की छलांग के साथ स्वर्ण पदक जीता और खेलों का रिकार्ड बनाया। चीन की जिन चेन ने 5.17 मीटर की छलांग लगाकर कांस्य पदक हासिल किया।

अंडर-22 टूर्नामेंट में अरेरा और फेथ क्रिकेट क्लब की जीत

एनसीसीसी, सेंट माइकल, कैप और सिली पॉइंट ने दर्ज की सफलता

भोपाल। भोपाल डिवीजन क्रिकेट एसोसिएशन की ओर से आयोजित अंडर-22 इंटर क्लब क्रिकेट टूर्नामेंट का शुभारंभ रोमांचक मुकाबलों के साथ हुआ। पहले दिन अंडर-22 के दो मैच खेले गए। वहाँ, अंडर-15 इंटर क्लब प्रतियोगिता में चार मुकाबलों में टीमों ने शानदार प्रदर्शन किया।

ओल्ड फ्रेंड्स क्रिकेट ग्राउंड पर अरेरा क्रिकेट एकेडमी ने कैप एकेडमी को सात विकेट से हराया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए कैप ने 50 ओवर में नौ विकेट पर 131 रन बनाए। नितिन शिववंशी ने 28 और विशिष ने 26 रन का योगदान दिया। अरेरा की ओर से नीरज ग्रोवर ने चार विकेट लिए, जबकि प्रतीक शुक्ला और रोशन नायक ने दो-दो विकेट झटके। लक्ष्य का पीछा करते हुए अरेरा ने 28.3 ओवर में तीन विकेट पर 134 रन बनाकर जीत दर्ज की। प्रतीक शुक्ला ने नाबाद 63 और आर्यन सिंह ने 53 रन बनाए।

संचुरीयन ग्राउंड पर फेथ क्रिकेट क्लब ने

शिवाय एकेडमी को 218 रन से पराजित किया। फेथ ने पहले बल्लेबाजी करते हुए आठ विकेट पर 378 रन बनाए। रुद्रांश सिंह ने 134 रन की पारी खेली। तनिष्क यादव ने 62 और अक्षत दुआ ने 53 रन बनाए। जवाब में शिवाय की टीम निर्धारित 50 ओवर में नौ विकेट पर 160 रन ही बना सकी। अक्षत दुआ ने तीन और अनंत दुवे ने दो विकेट लिए। अंडर-15 मुकाबलों में एनसीसीसी ने होप क्रिकेट एकेडमी को 214 रन से हराया। अराव थिल्लर ने 111 रन बनाए, जबकि शिवांक ने छह विकेट लिए। सेंट माइकल एकेडमी ने उड़ान एकेडमी को 111 रन से शिकस्त दी। भविष्य त्यागी ने 89 और कार्तिकेय अग्रवाल ने 64 रन बनाए।

कैप एकेडमी ने लेगसी एकेडमी को 113 रन से हराया। कैप के रिशु गोंड ने चार विकेट लिए। चौथे मुकाबले में सिली पॉइंट ने ओएफसीए को पांच विकेट से मात दी। लक्ष्य का पीछा करते हुए युग रघुवंशी ने 79 रन बनाए।

एशियाई पैरा खेल : हरविंदर-विजय की जोड़ी ने तीरंदाजी में दिलाया स्वर्ण

आइची-नागोया

एशियाई पैरा खेल-2026 में भारतीय खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन जारी है।शुक्रवार को खेलों के पांचवें दिन हरविंदर सिंह और विजय सुंडी की जोड़ी ने पुरुष रिकर्व युगल तीरंदाजी स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया। इसके अलावा थुलासिमति मुरुगेसन, प्रमोद और महिला रिकर्व युगल जोड़ी भावना तथा पूजा ने रजत पदक अपने नाम किए।

पुरुष रिकर्व युगल स्पर्धा के फाइनल में हरविंदर सिंह और पदार्पण कर रहे विजय सुंडी ने चीन को 5-1 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। दोनों

एशियाई पैरा खेलों के पांचवें दिन अमी तक भारत को एक स्वर्ण और तीन रजत पदक

टीमों के बीच पहला सेट 35-35 से बराबर रहा। इसके बाद भारतीय जोड़ी ने दूसरे सेट में 37-36 और तीसरे सेट में 38-36 से जीत दर्ज कर मुकाबला अपने नाम कर लिया। हरविंदर और विजय ने दबाव के बीच सटीक निशाने लगाते हुए चीन की चुनौती को समाप्त किया। हरविंदर लक्ष्य ओलंपिक पोटियम योजना से जुड़े खिलाड़ी हैं।

महिला रिकर्व युगल स्पर्धा में भावना और पूजा को रजत पदक मिला। स्वर्ण पदक के मुकाबले में भारतीय जोड़ी को चीन के खिलाफ 0-6 से हार का सामना करना पड़ा। चीन की तीरंदाजों ने पहला सेट 38-31, दूसरा 35-30 और तीसरा 39-29 से जीता। चीनी जोड़ी ने प्रति

दौरान उनकी रुचि बैडमिंटन में बढ़ी और धीरे-धीरे उन्होंने पैरा बैडमिंटन को अपना लक्ष्य बना लिया।

नितेश ने 2016 में फरीदाबाद में पैरा राष्ट्रीय प्रतियोगिता के जरिए राष्ट्रीय स्तर पर पदार्पण किया और कांस्य पदक जीता। 2017 में उन्होंने एकल में रजत और युगल में कांस्य पदक हासिल किया। वर्ष 2020 की राष्ट्रीय प्रतियोगिता में उन्होंने प्रमोद भगत और मनोज को हराकर स्वर्ण पदक जीता। इसके बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी उन्होंने लगातार अच्छा प्रदर्शन किया। पैरिस पैरालंपिक-2024 में पुरुष एकल का स्वर्ण पदक जीतना उनके करियर की प्रमुख उपलब्धियों में शामिल है। वह 2022 एशियाई पैरा खेलों में पुरुष युगल का स्वर्ण, एकल का रजत और मिश्रित युगल का कांस्य पदक भी जीत चुके हैं।

दूसरी ओर, प्रमोद भगत की कहानी भी संघर्ष और उपलब्धियों से भरी है। उनका जन्म 4 जून 1988 को बिहार के वैशाली जिले में हुआ था। चार-पांच वर्ष की उम्र में पोलियो के कारण उनका बायाँ पैर प्रभावित हो गया। बाद में वह ओडिशा

हासिल किए। ईरान के होमॉज सेइदिकाजपुंजी ने 50.68 मीटर के प्रदर्शन के साथ रजत पदक जीता, जबकि चीन के चेंगजी यू ने 53.66 मीटर भाला फेंककर कांस्य पदक हासिल किया और एशियाई रिकार्ड बनाया। पैरा टेबल टेनिस के पुरुष युगल एमडी-4 वर्ग में भारत के जेहान दोराब मदान और शुभम वाधवा ने कांस्य पदक जीता। भारतीय जोड़ी को सेमीफाइनल में दक्षिण कोरिया के जिनचियोल पार्क और क्यूंग-ह्युन किम से 0-3 से हार मिली। कोरियाई जोड़ी ने 14-12, 11-7 और 11-5 से मुकाबला अपने नाम किया। विश्व रैंकिंग में 15वें स्थान पर काबिज भारतीय जोड़ी के 50 वर्षीय जेहान मदान पैरा एशियाई खेल-2026 में पदक जीतने वाले भारतीय दल के सबसे उम्रदराज खिलाड़ी हैं।

हासिल किए। ईरान के होमॉज सेइदिकाजपुंजी ने 50.68 मीटर के प्रदर्शन के साथ रजत पदक जीता, जबकि चीन के चेंगजी यू ने 53.66 मीटर भाला फेंककर कांस्य पदक हासिल किया और एशियाई रिकार्ड बनाया। पैरा टेबल टेनिस के पुरुष युगल एमडी-4 वर्ग में भारत के जेहान दोराब मदान और शुभम वाधवा ने कांस्य पदक जीता। भारतीय जोड़ी को सेमीफाइनल में दक्षिण कोरिया के जिनचियोल पार्क और क्यूंग-ह्युन किम से 0-3 से हार मिली। कोरियाई जोड़ी ने 14-12, 11-7 और 11-5 से मुकाबला अपने नाम किया। विश्व रैंकिंग में 15वें स्थान पर काबिज भारतीय जोड़ी के 50 वर्षीय जेहान मदान पैरा एशियाई खेल-2026 में पदक जीतने वाले भारतीय दल के सबसे उम्रदराज खिलाड़ी हैं।

नवीनने जीता स्वर्ण, सुमति और निमिषा को रजत

आइची-नागोया। पैरा एशियाई खेल-2026 में भारतीय खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन जारी है। पैरा बैडमिंटन में नवीन शिवकुमार ने पुरुष एकल एसएल-4 स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीता, जबकि सुमति सिवन नित्या श्री को महिला एकल में रजत पदक मिला। एथलेटिक्स में प्रमोद ने पुरुषों की 1500 मीटर टी46 स्पर्धा और निमिषा चक्कुगलपरम्बिल ने महिलाओं की लंबी कूद में रजत पदक अपने नाम किया। इसके साथ ही भारत ने एशियन पैरा खेल में 100 पदक पूरे हो गए हैं। समाचार लिखे जाने तक पदक तालिका में 100 पदक (25 स्वर्ण, 32 रजत,43 कांस्य) के साथ भारत चौथे स्थान पर पहुंच गया है। नवीन शिवकुमार ने पुरुष एकल एसएल-4 के फाइनल में इंडोनेशिया के फ्रेडी सेतियवान को सीधे गेमों में 21-9, 21-17 से हराया। 36 मिनट तक चले मुकाबले में नवीन ने पहले गेम में दबदाव बनाया और दूसरे गेम में प्रतिद्वंद्वी की चुनौती का सामना करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। महिला एकल बैडमिंटन के फाइनल में भारत की सुमति सिवन नित्या श्री को चीन की ली फेंगमेई से 12-21, 13-21 से हार का सामना करना पड़ा। 26 मिनट तक चले मुकाबले में ली फेंगमेई ने स्वर्ण पदक जीता, जबकि नित्या श्री को रजत पदक से संतोष करना पड़ा। एथलेटिक्स की पुरुषों की 1500 मीटर टी46 स्पर्धा में भारत के प्रमोद ने 4 मिनट 9.65 सेकंड का समय निकालकर रजत पदक जीता। श्रीलंका के पी. बहुमुरारगे ने 4 मिनट 3.25 सेकंड के समय के साथ स्वर्ण पदक हासिल किया और खेलों का रिकार्ड बनाया। फिलीपींस के किंग जेम्स रेयेस ने 4 मिनट 13.81 सेकंड का समय निकालकर कांस्य पदक जीता। यह उनका व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा। महिलाओं की लंबी कूद टी46/टी47 स्पर्धा में भारत की निमिषा चक्कुगलपरम्बिल ने 5.37 मीटर की छलांग लगाकर रजत पदक जीता। उन्होंने तीसरे प्रयास में अपना पदक जीतने वाला सर्वश्रेष्ठ प्रयास किया। श्रीलंका की धनंजना विक्रमसिंघे ने 5.52 मीटर की छलांग के साथ स्वर्ण पदक जीता और खेलों का रिकार्ड बनाया। चीन की जिन चेन ने 5.17 मीटर की छलांग लगाकर कांस्य पदक हासिल किया।

एशियाई पैरा खेल : भावना व पूजा ने रचा इतिहास महिला रिकर्व युगल स्पर्धा में जीता रजत पदक

आइची-नागोया

भारतीय पैरा तीरंदाज भावना और पूजा जाट्यान ने एशियाई पैरा खेल-2026 में शुक्रवार को महिला रिकर्व युगल स्पर्धा में रजत पदक जीतकर इतिहास रच दिया। भारतीय खेल प्राधिकरण के सोनीपत स्थित राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र में प्रशिक्षण लेने वाली इस जोड़ी ने फाइनल तक का सफर तय किया। इस स्पर्धा में भारत का यह पहला पदक है।

फाइनल में भारतीय जोड़ी का सामना चीन की तीरंदाजों से हुआ। चीनी जोड़ी ने मुकाबले में 6-0 से जीत दर्ज कर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। चीन ने तीनों सेट 2-0 से जीते। भारतीय जोड़ी ने पहले सेट में 38, दूसरे में 35 और तीसरे सेट में 39 अंक हासिल किए, लेकिन वह चीन की चुनौती को पार नहीं कर सकी और तीनों सेटों में 31-38, 30-35 और 29-39 से हार मिली। भावना और पूजा को रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

भावना के लिए यह पदार्पण प्रतियोगिता थी। पहली ही बड़ी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में रजत पदक जीतकर उन्होंने अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। हरियाणा के हिसार की रहने वाली भावना महिला रिकर्व ओपन वर्ग में प्रतिस्पर्धा करती हैं और सोनीपत में कोच मोनिका रावल के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण लेती हैं। उनके पैरों और धड़ के उपयोग को प्रभावित करने वाली शारीरिक



दिव्यांगता है। भावना ने इससे पहले भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है। बैंकॉक में 2026 विश्व तीरंदाजी पैरा सीरीज में उन्होंने रिकर्व महिला ओपन वर्ग में स्वर्ण पदक जीता था। इसी प्रतियोगिता में वह मिश्रित टीम और महिला टीम स्पर्धाओं में कांस्य पदक जीतने में भी सफल रही थीं। वर्ष 2025 के एशियाई युवा पैरा खेलों में उन्होंने मिश्रित अंडर-21 टीम स्पर्धा में स्वर्ण और महिला रिकर्व अंडर-21 ओपन में रजत पदक हासिल किया था। एशियाई पैरा चैंपियनशिप में भी वह मिश्रित टीम में स्वर्ण और महिला टीम में कांस्य पदक जीत चुकी हैं। वर्ष

के बरगड़ जिले के अटाबीरा में अपने रिश्तेदारों के साथ रहे। बचपन में आसपास के बच्चों को बैडमिंटन खेलते देखकर उनकी भी इस खेल में रुचि पैदा हुई।

प्रमोद ने 2006 में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पैरा बैडमिंटन में आगे बढ़ने के लिए गंभीर प्रयास शुरू किए। टोक्यो पैरालंपिक-2020, जो 2021 में आयोजित हुआ था, में उन्होंने पुरुष एकल के फाइनल में ब्रिटेन के डैनियल बेथेल को 21-14, 21-17 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। वह पैरालंपिक बैडमिंटन में स्वर्ण जीतने वाले भारत के पहले खिलाड़ी बने। प्रमोद विश्व चैंपियनशिप में भी कई स्वर्ण और रजत पदक जीत चुके हैं और छह बार विश्व चैंपियन बनने की उपलब्धि हासिल कर चुके हैं।

नितेश और प्रमोद के बीच इस फाइनल ने भारतीय पैरा बैडमिंटन की मजबूती को रेखांकित किया। दोनों खिलाड़ियों ने अपने प्रदर्शन से देश के लिए पदक सुनिश्चित किया, लेकिन इस बार स्वर्ण नितेश के नाम रहा।

सिलिकानवैलीओपनके सेमीफाइनलमेंपहुंचींअनाहतसिंह



रेडबुड सिटी

भारत की युवा स्ववैश खिलाड़ी अनाहत सिंह ने शानदार वापसी करते हुए सिलिकान वैली ओपन के क्वार्टर फाइनल में मिश्र की छठी वरीयता प्राप्त सलमा हानी को हराकर पहली बार पीएसए गोल्ड स्तर के सेमीफाइनल में जगह बना ली। विश्व रैंकिंग में 15वें स्थान पर काबिज 18 वर्षीय अनाहत ने 42 मिनट तक चले मुकाबले में विश्व की 14वें नंबर की खिलाड़ी हानी को 4-11, 11-8, 4-11, 11-2, 11-5 से हराया।

अनाहत मुकाबले में 1-2 से पिछड़ रही थीं, लेकिन उन्होंने शानदार वापसी करते हुए लगातार दो गेम जीतकर मुकाबला अपने नाम किया। इससे एक दिन पहले उन्होंने मिश्र की विश्व नंबर तीन और आठ बार की विश्व चैंपियन नूर एलशेरबिनी को सीधे गेमों में हराकर बड़ा उलटफेर किया था।

अनाहत ने मुकाबले के बाद कहा कि उन्होंने पहले कभी हानी के खिलाफ नहीं खेला था और कोर्ट पर उतरने से पहले उन्हें अंदाजा नहीं था कि मुकाबला कैसा रहेगा। उन्होंने कहा कि हानी पीएसए टूर की कई बार खेलते हुए देखा है। एलशेरबिनी के खिलाफ जीत के बाद उनका आत्मविश्वास बढ़ा और उन्हें लगा कि अच्छा खेलने पर वह किसी भी खिलाड़ी को चुनौती दे सकती हैं। अनाहत ने कहा कि पिछले दिन

पहली बार पीएसए गोल्ड स्तर के सेमीफाइनल में पहुंचीं अनाहत

की जीत के बाद भावनात्मक रूप से वह थोड़ी थकी हुई थीं, लेकिन वह टूर्नामेंट में मिली बढ़त और लय को खाना नहीं चाहती थीं। उन्होंने अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश की और अगले दौर में पहुंचकर खुशी जताई। सेमीफाइनल में अनाहत का सामना मलेशिया की विश्व नंबर चार और मौजूदा एशियाई खेल चैंपियन शिवसांगरी सुग्रमण्यम से होगा। शिवसांगरी ने एशियाई खेलों के महिला एकल फाइनल में अनाहत को हराया था। स्ववैश को लास एंजेलिस ओलंपिक में पहली बार शामिल किया जाना है।

अनाहत ने 2023 में हांगझोऊ एशियाई खेलों में महिला टीम और मिश्रित युगल स्पर्धाओं में दो कांस्य पदक जीते थे। इसके बाद आइची-नागोया एशियाई खेल-2026 में महिला एकल का रजत पदक जीतकर वह एशियाई खेलों के स्ववैश एकल फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला बनीं। इसी वर्ष उन्होंने विश्व जुनियर स्ववैश चैंपियनशिप में लड़कियों का एकल खिताब जीतकर यह उपलब्धि हासिल करने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बनने का गौरव भी पाया।

2026 की राष्ट्रीय पैरा तीरंदाजी चैंपियनशिप में उन्होंने रिकर्व महिला ओपन वर्ग में रजत पदक जीता था। गुरुग्राम की रहने वाली पूजा जाट्यान भारतीय पैरा तीरंदाजी की अनुभवी खिलाड़ियों में शामिल हैं। वह महिला रिकर्व ओपन और मिश्रित टीम स्पर्धाओं में हिससा लेती हैं तथा सोनीपत में कोच सुरिंदर सिंह के मार्गदर्शन में अभ्यास करती हैं। बचपन में चिकित्सा संबंधी लापरवाही के कारण उनके बाएं पैर में पोलियो हो गया था, लेकिन उन्होंने खेल के प्रति अपने जुनून को बनाए रखा। पूजा ने वर्ष 2018 के एशियाई पैरा खेलों से अंतरराष्ट्रीय पदार्पण किया था।

बैडमिंटन में थुलासिमति मुरुगेसन ने महिला एकल एसयू5 वर्ग में रजत पदक जीता। फाइनल में उन्हें चीन की चिउशिया यांग ने 21-18, 21-11 से हराया। थुलासिमति ने फाइनल तक शानदार प्रदर्शन किया, लेकिन खिताबी मुकाबले में चीनी खिलाड़ी ने बेहतर खेल दिखाया।

थुलासिमति का जन्म 11 अप्रैल 2002 को तमिलनाडु के कांचीपुरम में हुआ था। उन्होंने पांच वर्ष की उम्र में खेलना शुरू किया और बाद में बैडमिंटन अपनाया। बाएं हाथ में जन्मजात विकृति के कारण उनके अंगूठे का विकास नहीं हुआ। उन्हें हाथ की नस से जुड़ी समस्या और मांसपेशियों में कमजोरी का भी सामना करना पड़ा है। उनके पिता डी. मुरुगेसन ने पांच वर्षों तक उन्हें प्रशिक्षण देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और उन्हें पैरा खेलों की ओर प्रेरित किया। थुलासिमति विश्व चैंपियनशिप और फाजा दुबई पैरा बैडमिंटन अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में भी पदक जीत चुकी हैं।

बावजूद भावना और पूजा ने फाइनल तक पहुंचकर भारत के लिए पदक सुनिश्चित किया।